डा0भीमराव आंबेडकर विश्वविद्याल,आगरा

(पूर्ववर्तीः आगरा विश्वविद्यालय,आगरा)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रावधानों के क्रम में स्नातक बी0ए/बी0एस0सी/बी0कॉमप्रथम सेंमेस्टर (सत्र 2021–22)की परीक्षा के सन्दर्भ मं प्रश्न पत्रों के प्रारूप एवं परीक्षा व्यवस्था सम्बन्धी सामान्य दिशा –निर्देश (परीक्षा नियमावाली)

विश्वविद्यालय द्वारा जारी "राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020की अधिसूचना शैक्षिक /10/2021–22 दिनांक 24.08.2021 एवं अध्यादेश के क्रम में स्नातक प्रथम सेंमेस्टर (सत्र 2021–22) की परीक्षा के प्रश्न पत्रों के प्रारूप एवं परीक्षा संचालन से सम्बन्धित व्यवस्था निम्नानुसार निर्धारित किया जाना अपेक्षित है–

1. सभी विषयों तथा–03 मेजर विषय, 01 माइनर विषय, 01 वोकेशनल विषय एवं 01 अनिवार्य सह पाठयक्रम(Co-curricular) विषय से सम्बन्धित प्रत्येक प्रश्न पत्र की परीक्षा 100 (75+25) अंक के सापेक्ष संपन्न करायी जायेगी। प्रायोगिक विषयों से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य की परीक्षा भी 100 (75+25) अंको की होगी।

2. विश्वविद्यालय के अध्यादेश के अनुपालन में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम(CBCS) में उल्लिखित व्यवस्था का मानक मानते हुये समस्त विषयों में छात्र को प्राप्त होने वाले अंकों का विश्वविद्यालय द्वारा तुलनात्मक 'क्रेडिट पॉइट/ग्रेड' में परिवर्तन किया जायेगा।

3. 03 मेजर विषयों, 01 माइनर विषय और सह पाठयक्रम (Co-curricular) विषय की परीक्षा 25 प्रतिशत सतत आन्तरिक मूल्यांकन एवं 75 प्रतिशत वाहय मूल्यांकन के आधार पर संपन्न करायी जायेगी।

4. 03 मेजर विषयों 01 माइनर(इलेक्टिव) और को–कुरीकुलर विषय के सतत आन्तरिक मूल्यांकन से सम्बन्धित 25 अंकों का विभाजन सम्बन्धित महाविद्यालय/संस्थान द्वारा विश्वविद्यालय के अध्यादेश के बिन्दु 8.4 के अनुरूप प्रदत्त किया जायेगा।

क. छात्र की कक्षा गतिविधियों के लिए 05 अंक निर्धारित होंगे; जिनका मूल्यांकन विषय से सम्बन्धित शिक्षक द्वारा किया जायेगा।

ख. यदि छात्र को असाइनमेंट–प्रेजेंन्टेशन के अंक निर्धारित होंगे तो उसकी मूल्यांकन व्यवस्था निम्नवत होगी–

(i) प्रत्येक छात्र को प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यचर्या से सम्बन्धित किसी शीर्षक पर 500–1500 शब्दों तक का हस्त लिखित अथवा प्रिंटेड प्रारूप में एक असाइनमेंट जमा करना होगा, जिसका विषय के प्राध्यापक द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा।

(ii) प्राध्यापक–गण यदि उचित समझे तब असांइमेंट के सापेक्ष छात्र को पी0पी0टी0 प्रस्तुतीकरण के लिये भी प्रोत्साहित कर सकते है। ऐसी दशा में निर्धारित अकों का वितरण विवेकानुसार जमा किये गये असाइनमेंट एवं प्रस्तुतीकरण के पृथक–पृथक मूल्यांकन पर आधारित होगा।

(iii) छात्र द्वारा जमा किये गये असाइनमेंट को सेमेस्टर का अन्तिम परीक्षा परिणाम घोषित होने के 01वर्ष आगे तक सुरक्षित रखा जाना होगा।

ग. सम्बन्धित विषय में छात्र के लिखित मिड – सेमेस्टर – टेस्ट के सापेक्ष परीक्षा महाविद्यालय को आन्तरिक व्यवस्था के अंतर्गत सम्पन्न करानी होगी।

घ. छात्र के असाइनमेन्ट, लिखित मिड–सेमेस्टर–टेस्ट के मूल्यांकन एवं अन्य सतत आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा सम्बन्धी अन्य व्यवस्थायें महाविद्यालय द्वारा आन्तरिक स्तर पर निम्नवत निर्धारित की जायेगी–

(i) प्रत्येक विषय का मिड–सेमेस्टर–टेस्ट (सेशनल –टेस्ट) सम्बन्धित महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अंतर्गत सम्पन्न किये जायेंगें।

(ii) महाविद्यालय द्वारा सेशनल –टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन महाविद्यालय परिसर में ही किया जायेगा। उत्तर –पुस्तिकाओं का मूल्यांकन के लिये घर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मूल्यांकन कार्य सेशनल टेस्ट की समाप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अनिवार्य रूप से संपन्न करा लिया जायेगा।

(iii) सेशनल–टेस्ट की समय सारिणी, प्रश्न पत्र निर्माण, परीक्षा कक्ष की व्यवस्था, टेस्ट के उपरान्त निर्धारित समयावधि में मूल्यांकन कार्य, निर्धारित अवधि में अंकों को विश्वविद्यालय का उपलब्ध कराना एवं अन्य सम्बन्धित परीक्षा कार्यों की निगरानी महाविद्यालय के प्राचार्य स्वयं अथवा इस कार्य के लिये किसी सक्षम प्राध्यापक को नियुक्त करेंगे।

(iv) प्रत्येक वर्ष के क्रम में सेशनल टेस्ट से सम्बन्धित रजिस्टर (उत्तर–पुस्तिका सहित) महाविद्यालय द्वारा वर्ष के अन्तिम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित होने के 01वर्ष आगे तक सुरक्षित रखा जायेगा।

5. 03 मेजर विषयों, 01 माइनर(इलेक्टिव) एवं को–कुलीकुलर विषय के वाह्य–मूल्यांकन (सेमेस्टर परीक्षा) से सम्बन्धित 75 अंकों की परीक्षा निम्नानुसार होगी–

क. यह परीक्षा प्रत्येक सेमेस्टर के अन्त में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अनुक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये जाने वाले मुद्रित प्रश्न पत्र के माध्यम से संपन्न करानी होगी।

ख. इस परीक्षा के प्रश्न पत्र के माध्यम से सम्पन्न करानी होगी।

(i) प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिये अधिकतम निर्धारित अंक 75 होंगे।

(ii) प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिये अधिकतम निर्धारित समयावधि 03:00 घन्टे होगी।

(iii) प्रश्न पत्र द्विभाषीय अर्थात हिन्दी एवं अंग्रेजी में मुद्रित होगा।(भाषा के प्रश्नपत्रों को छोडकर)।

(iv) प्रश्न पत्र 03 खण्डों, क्रमशः– खण्ड–अ (सेक्सन–ए0), खण्ड–ब (सेक्सन–बी0) तथा खण्ड–स (सेक्सन–सी0) में विभाजित होगा। विशेष परिस्थितियों में यह परीक्षा वस्तुनिष्ट प्रकार की भी आयोजित की जा सकती है।जिसमें 100 प्रश्नों में से परीक्षार्थी को 75 प्रश्न हल करने होंगें। उक्त प्रश्नपत्र की समयावधि 02 घन्टा होगी।

(v) खण्ड–अ (सेक्सन–ए0) में 10 प्रश्न होंगे। सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिये 02 अंक निर्धारित होंगे। इस खण्ड में वस्तुनिष्ठ प्रश्न सम्बन्धित विषय की सम्पूर्ण पाठ्यचर्या से पूछे जायेंगे।

(vi) खण्ड–ब (सेक्सन–बी0) में 08 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें में से मात्र 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 07 अंक निर्धारित होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में अंकित करने होंगे।

(vii) खण्ड –स (सेक्सन–सी0) में 04 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से मात्र 02 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निर्धारित होंगे। इन प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में अंकित करने होंगे।

ग. परीक्षा से सम्बन्धित सादी उत्तर–पुस्तिकायें तथा अन्य सामिग्री विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय को परीक्षा – पूर्व उपलब्ध करायी जायेगी।

घ. परीक्षा सम्पादन की प्रक्रिया के लिये शासनादेश/विश्वविद्यालय–नियमावली के अनुक्रम में निर्धारित पारिश्रमिक प्रदान किये जाने की व्यवस्था पूर्ववत रहेगी।

ड. परीक्षा से सम्बन्धित मूल्यांकन कार्य 'केन्द्रीकृत मूल्यांकन व्यवस्था' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय से संपन्न कराया जायेगा।

6. अनुमन्य प्रायोगिक विषयों में सेमेस्टर प्रायोगिक–परीक्षा के लिये 75 अंक निर्धारित होंगे।

क. प्रायोगिक प्रश्नपत्रों की सेमेस्टर परीक्षा के लिये वाह्य एवं आंतरिक परीक्षक पूर्व प्रचलित व्यवस्था के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किये जायेंगे।

ख. प्रायोगिक प्रश्नपत्रों की सेमेस्टर परीक्षा के अंकों को पूर्व प्रचलित व्यवस्था के अनुसार प्रायोगिक–परीक्षा के ही दिन विश्वविद्यालय को ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा। सम्बन्धित व्यवस्था के सम्बन्ध में प्रति सेमेस्टर के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा पृथक रूप से अधिसूचना जारी की जायेगी।

ग. प्रायोगिक प्रश्नपत्रों की सेमेस्टर परीक्षा के सम्पादन की प्रक्रिया के लिये शासनादेश/विश्वविद्यालय–नियमावली के अनुक्रम में निर्धारित पारिश्रमिक प्रदान किये जाने की व्यवस्था पूर्ववत रहेगी।

7. वोकेशनल विषय की परीक्षा के लिये निर्धारित अंक 100 होगा। तदक्रम में वोकेशनल विषय से सम्बन्धित प्रशिक्षण (ट्रेनिंग आधारित) कार्य का मूल्यांकन 60 अंकों में किया जायेगा तथा सैद्धान्तिक (अध्ययन आधारित) कार्य का मूल्यांकन 40 अकों में किया जायेगा। वोकेशनल विषय से सम्बन्धित परीक्षा व्यवस्था निम्न प्रकार होगी।

क. सम्बन्धित सेमेस्टर के अंत में महाविद्यालय द्वारा वोकेशनल विषय के प्रशिक्षण कार्य एवं सैद्धान्तिक कार्य की परीक्षा पृथक–पृथक रूप से अपने स्तर पर सम्पन्न करायी जायेगी।

ख. प्रशिक्षण कार्य की परीक्षा के लिये महाविद्यालय आन्तरिक स्तर पर MOU द्वारा अनुबन्धित प्रशिक्षण सहयोगी (Skill Partner) के प्रशिक्षणकर्ता एवं एक सक्षम अध्यापक की संयुक्त टीम नियुक्त करेंगे, जिनके द्वारा प्रशिक्षण कार्य का 60 अंकों के सापेक्ष मूल्यांकन किया जायेगा।

ग. सैद्धान्तिक कार्य की परीक्षा के लिये महाविद्यालय द्वारा इस नियमावली के उपबंध 7 (ख) में निर्धारित टीम के माध्यम से 40 अंको का एक प्रश्न–पत्र निर्मित करना होगा। इस प्रश्न–पत्र में 05 वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न होंगे, जिनका उत्तर छात्र को प्रति प्रश्न अधिकतम 75 शब्दों में अंकित करना होगा। परीक्षा की निर्धारित अवधि 01:00 घन्टे होगी।

8. अनिवार्य सह पाठयक्रम(Co-curricular) विषय की परीक्षा के लिये निर्धारित अंक 75 होगा, परीक्षा प्रारूप निम्नवत् होगा–

क. अनिवार्य सहपाठयक्रम(Co-curricular) विषय की परीक्षा बहु–विकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी।

ख. सम्बन्धित प्रश्न पत्र द्विभाषीय होगा अर्थात हिन्दी एवं अंग्रेजी में मुद्रित होगा।

ग. अनिवार्य को–करीकुलर विषय की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर के अन्त मे निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार विशविद्यालय द्वारा प्रदान किये जाने वाली मुद्रित प्रश्न पुस्तिका एवं ओ0एम0आर0 के माध्यम से सम्पन्न होगी।

घ. अनिवार्य सहपाठयक्रम(Co-curricular) विषय के प्रश्न पत्र में बहुविकल्पीय प्रकार के 100 प्रश्न मुद्रित होंगे। जिसमें से परीक्षार्थी को किन्ही 75 प्रश्नों को हल करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के 04 विकल्प उत्तर होगें, जिनमें मांत्र 01 उत्तर सही होगा। छात्र को सही उत्तर ओ0एम0आर0 शीट पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुये अंकित करना होगा।

ड. प्रत्येक प्रश्न के सापेक्ष सही उत्तर के लिये 01 अंक प्रदान किया जायेगा, गलत उत्तर के सापेक्ष ऋणात्मक मूल्यांकन का प्राविधान नहीं होगा।

च. उक्त परीक्षा के लिये निर्धारित समयावधि 02:00 घण्टे होगी।

उक्त प्रारूप के आधार पर प्रश्नपत्र तैयार किया जाय :

बी0ए0 / बी0एस0सी0 / बी0काम0(प्रथम वर्ष) परीक्षा 2021 के नवीन शिक्षा नीति के अनुरूप प्रश्नपत्र का प्रारूप निम्नलिखित रहेगा :–

बी0ए0/बी0एस0सी0 / बी0काम0(प्रथम सेमेस्टर) 2021

Time : 03 Hours

Max.Marks : 75

Note :- Attempt all questions from **Section- A** and any **5** questions from **Sections –B** and **2** questions from **section -C**

नोट :– खण्ड –अ से सभी प्रश्न एवम खण्ड –ब से पाँच एवम खण्ड –स से 2 प्रश्न करना अनिवार्य है।

Section- A(खण्ड–अ) अंक विभाजन

1– Very Short answer type question **2 X 10 = 20**
1– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
2– Very Short answer type question
2– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
3– Very Short answer type question
3– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
4– Very Short answer type question
4– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
5– Very Short answer type question
5– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
6– Very Short answer type question
6– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
7– Very Short answer type question
7– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
8– Very Short answer type question
8– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
9– Very Short answer type question
9– अति लघु उत्तरीय प्रश्न
10– Very Short answer type question
10– अति लघु उत्तरीय प्रश्न

Section-B(खण्ड–ब) अंक विभाजन

1– Short answer type question **7 X 5 = 35**
1– लघु उत्तरीय प्रश्न
2– Short answer type question
2– लघु उत्तरीय प्रश्न
3– Short answer type question
3– लघु उत्तरीय प्रश्न
4– Short answer type question
4– लघु उत्तरीय प्रश्न
5– Short answer type question
5– लघु उत्तरीय प्रश्न
6– Short answer type question
6– लघु उत्तरीय प्रश्न
7– Short answer type question
7– लघु उत्तरीय प्रश्न
8– Short answer type question
8– लघु उत्तरीय प्रश्न

Section-C (खण्ड–स) अंक विभाजन

1– Long / Essay type question **10 X 2 = 20**
1– दीर्घ उत्तरीय/निबन्धात्मक प्रश्न
2– Long / Essay type question
2– दीर्घ उत्तरीय/निबन्धात्मक प्रश्न
3– Long / Essay type question
3– दीर्घ उत्तरीय/निबन्धात्मक प्रश्न
4– Long / Essay type question
4– दीर्घ उत्तरीय/निबन्धात्मक प्रश्न

- अति लघुउत्तरीय प्रश्नों में सही गलत, खाली स्थान भरना, बहुविकल्पीय प्रश्न, एक शब्द का उत्तर देना।
- खण्ड (ब) में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कम से कम 50 शब्दों में देना होगा।
- खण्ड (स) में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर कम से कम 200 शब्दों में देना होगा।